Seventeenth Loksabha

an>

Title: Need to Rejuvenate historical and Religious sites in Badayun and develop the place as a Tourist Destination

डॉ. संघमित्रा मौर्य (बदायूं): महोदय, बदायूं प्राचीन काल से कौशल साम्राज्य का अभिन्न अंग रहा है। भारत वर्ष विभिन्न विधाओं के साथ अपने गौरवशाली इतिहास को समेटे हुए है। ऐतिहासिक दृष्टि से बदायूं का अतीत अत्यंत गौरवशाली और महिमा मंडित रहा है पुरातात्विक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा भौगोलिक दृष्टि से बदायूं का अपना विशेष स्थान है। बदायूं हिंदू मुस्लिम सदभाव, आध्यात्मिक, वैदिक, पौराणिक,शिक्षा, संस्कृति, संगीत, सुंदर भवन, धार्मिक मंदिर, मस्जिद, ऐतिहासिक दुर्ग, गौरवशाली संस्कृति कला की प्राचीन धरोहर को आदिकाल से अब तक समेटे हुए

है। यदि हम बदायूं के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक स्थलों की बात करें तो बदायूं स्थित गौरी शंकर मंदिर, बदायूं से लगभग 1 मील दूर बौद्ध विहार के अवशेष प्राप्त है, कछला में भगीरथी गुफा, नगला मंदिर, मंगला माता मंदिर, जामा मस्जिद, छोटे बड़े सरकार की दरगाह, नवाब इखलास खां का रौजा (काला ताज), सरसोंता, हरिबाबा बांध, जैसे तमाम ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। अतः अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करती हूँ कि बदायूं के ऐतिहासिक और धार्मिक स्थालो का जीर्णोद्धार कार्य कराया जाये और बदायूं को पर्यटन से जोडा जाए । जिससे इतिहास भी जीवित रहे और आर्थिक विकास का भी मार्ग मिल सके।